सदा अचल, अडोल, एकरस स्थिति का अनुभव करो

Constantly experience an unshakeable, immovable and constant stage

---

May 1, 2026

अविनाशी खुशी

समय प्रमाण अब सदा अचल-अडोल सर्व खजानों से सम्पन्न रहो। थोड़ा भी डगमग हुए तो सर्व खजानों का अनुभव नहीं होगा। बाप द्वारा मिले हुए खजानों को सदा कायम रखने का साधन है सदा अचल अडोल रहना। अचल रहने से सदा ही खुशी की अनुभूति होती रहेगी। जैसे विनाशी धन, नाम-मान-शान, कुर्सी आदि मिलती है तो खुशी होती है ना। यह तो अविनाशी खुशी है लेकिन यह खुशी उसे रहेगी जो अचल अडोल, एकरस स्थिति में रहेंगे।

Imperishable happiness

According to the time, you must now remain constantly unshakeable, immovable and full of all treasures. If there is the slightest fluctuation, you will not be able to experience all the treasures. The way to keep with you constantly the treasures you have received from the Father is to remain constantly unshakeable, and immovable. By remaining unshakeable you will constantly continue to experience happiness. You might have the happiness of perishable wealth, or the perishable chair of the position of a leader, and you have so much happiness when you receive name and fame, but this happiness is imperishable. Those who are unshakeable and immovable will have this happiness.

May 2, 2026

साक्षीदृष्टा स्थिति

समय प्रति समय अनेक प्रकार के विघ्न आते हैं, कोई अच्छे अनन्य स्टूडेंट माया के वशीभूत हो एन्टी हो जाते और सेवा में डिस्टर्ब करते हैं। ऐसे समय पर घबराते तो नहीं हो ! एक होता है उनके प्रति कल्याण के भाव से तरस रखना, लेकिन उसके कारण हलचल में आना अथवा व्यर्थ संकल्प चलाना, यह है हिलना। जो हर आत्मा के पार्ट को साक्षीदृष्टा स्थिति में रह देखते हैं, वह अचल अडोल एकरस रहते हैं।

Stage of a detached observer

From time to time, many types of obstacles come, such as when a good special student comes under the influence of Maya and becomes anti and

creates a disturbance in service. At such times, you do not become afraid, do you? It is one thing to have mercy for them with benevolent feelings, but to come into fluctuation because of that or to have waste thoughts is called being shaken. Those who observe the part of every soul with the stage of a detached observer can stay unshakeable, immovable and constant.

May 3, 2026
हलचल में नहीं आना
किसी भी वातावरण में, वायुमण्डल में रहो लेकिन स्थिति सदा अचल-अडोल एकरस हो। कभी निमित्त बने हुए कोई राय देते हैं, उनमें कनफ्यूज़ नहीं होना, क्योंकि जो निमित्त बने हैं वह अनुभवी हो चुके हैं। अगर उनका कोई डायरेक्शन स्पष्ट नहीं भी है तो भी हलचल में नहीं आना। धैर्य से कहो इसको समझने की कोशिश करेंगे तब स्थिति एकरस अचल, अडोल रहेगी।

Do not have any upheaval
No matter what type of atmosphere you live in, let your stage always be unshakeable and immovable. When an instrument gives you advice, do not become confused with that, because those who are instruments are already experienced. Even if any of their directions are not clear, do not have any upheaval. Tell them patiently that you will try to understand it, for only then will your stage remain constant, unshakeable and immovable.

May 4, 2026
एक खेल है
दुनिया की किसी भी प्रकार की हलचल अचल अडोल स्थिति में विघ्न न डाले। ऐसे विघ्न-विनाशक अचल अडोल बन हर विघ्न को पार कर लो, जैसे यह विघ्न नहीं एक खेल है। पहाड़ राई के समान अनुभव हो क्योंकि नॉलेजफुल आत्मायें पहले से ही जानती हैं कि यह सब तो आना ही है, होना ही है।

Just a game
No type of upheaval in the world should create any obstacles to your unshakeable and immovable stage. Become such destroyers of obstacles, so unshakeable and immovable, that you overcome all obstacles as though they are not obstacles, but just a game. Experience a mountain to be like a

mustard seed, because knowledge-full souls know beforehand that all of those things are going to come and that they are going to happen.

May 5, 2026

कल्याणकारी ड्रामा

जिसको ड्रामा के ज्ञान की शक्ति प्रैक्टिकल जीवन में धारण है वह कभी भी हलचल में नहीं आ सकते। सदा एकरस, अचल अडोल बनने और बनाने की विशेष शक्ति यह ड्रामा की प्वाइंट है। इसे शक्ति के रूप में धारण करने वाले कभी हार नहीं खा सकते। इस कल्याणकारी ड्रामा की हर सीन में कोई न कोई कल्याण समाया हुआ है, धैर्यवत बन साक्षी हो देखने का अभ्यास करो तो अचल-अडोल रहेंगे।

Benevolent Drama

Those who have imbibed power in their practical lives through this knowledge of the drama can never have any upheaval. This point of the drama provides the special power to remain constantly unshakeable and immovable. Those who have imbibed it in the form of power can never be defeated. Every scene of this benevolent drama has, one or another benefit merged in it. Be patient and practise seeing everything as a detached observer and you will remain unshakeable and immovable.

May 6, 2026

एकान्तप्रिय और एकाग्रता

अभी अनुभवी बन औरों को भी अचल अडोल बनाने का, अनुभव कराने का समय है। अभी खेल करने का समय समाप्त हुआ। अब सदा समर्थ बन निर्बल आत्माओं को समर्थ बनाते चलो। आप लोगों में निर्बलता के संस्कार होंगे तो दूसरों को भी निर्बल बना देंगे। ज्ञान की हर प्वाइंट का अनुभवी बनने के लिए एकान्तप्रिय बनो, एकाग्रता का अभ्यास बढ़ाओ।

Love for solitude & Concentration

It is now the time to become experienced and to make others experience being unshakeable and immovable. The time for playing games is now over. Now, be constantly powerful and continue to make weak souls powerful. If you have the sanskars of being weak, you will also make others

weak. In order to become experienced in every point of this knowledge, have love for solitude and increase your practice of concentration.

May 7, 2026

सदा निर्भय

किसी भी प्रकार की हलचल में अचल रहना, यही श्रेष्ठ ब्राह्मण आत्माओं की निशानी है। दुनिया हलचल में हो लेकिन आप श्रेष्ठ आत्मायें हलचल में नहीं आ सकती। क्यों? ड्रामा की हर सीन को जानते हो। नॉलेजफुल आत्मायें, पावरफुल आत्मायें सदा स्वतः ही अचल रहती हैं। तो कभी वायुमण्डल से घबराओ नहीं, सदा निर्भय रहो।

Constantly Fearless

To remain unshakeable in the midst of any type of upheaval is a sign of an elevated Brahmin. The world may be in upheaval but you elevated souls cannot fluctuate. Why? You know every scene of the drama. Knowledge-full and powerful souls remain constantly and naturally unshakeable. So, you must never become afraid of the atmosphere and remain constantly fearless.

May 8, 2026

नथिंग न्यु

कोई भी दर्दनाक सीन देखते हुए नथिंग न्यु। जिन्हें यह नथिंग न्यू का पाठ पक्का है वह घबरा नहीं सकते। क्या हुआ, कैसे हुआ, यह हुआ... समाचार सुनते, देखते भी ड्रामा की बनी हुई भावी को शक्तिशाली बन देखते और औरों को भी शक्ति देते चलो। दुनिया वाले घबराते और आप एकरस स्थिति में रह उन आत्माओं में शक्ति भरते। जो भी सम्पर्क में आये, उसे शक्तियों का, शान्ति का दान देते चलो।

Nothing New

When you see any painful scene, be aware that it is nothing new. Those who have made the lesson of "nothing new" firm will never be afraid. "What happened? How did it happen? This happened..." While hearing and seeing the news, remain powerful while seeing the predestined drama unfold and continue to give power to others. People of the world become

afraid, whereas you fill those souls with power. Continue to give the donation of peace and powers to all those who come into contact with you.

May 9, 2026

मास्टर सर्वशक्तिवान

सदा मास्टर सर्वशक्तिवान की सीट पर सेट रहने वाले ही अचल अडोल रहते हैं। बापदादा कहते हैं बच्चे शरीर भी चला जाये लेकिन आपकी खुशी नहीं जाये। पैसा तो उसके आगे कुछ भी नहीं है, जिसके पास खुशी का खजाना है उसके आगे कोई बड़ी बात नहीं और सदा सहयोगी सेवाधारी बच्चों के साथ बापदादा रहते हैं इसलिए घबराने की कोई बात नहीं है।

Master almighty authority

Only those who are constantly seated on the seat of a master almighty authority can remain constantly unshakeable and immovable. BapDada says: Even if you have to shed your body, you must not let go of your happiness. Money is nothing compared to that. For those who have the treasure of happiness, nothing is difficult, and because BapDada is always with you constantly co-operative, serviceable children, there is nothing to be afraid about.

May 10, 2026

साक्षीपन की स्थिति

आप बच्चे मास्टर प्रकृति-पति हो, इस प्रकृति के खेल को देख हर्षित होते रहो। चाहे प्रकृति हलचल करे, चाहे प्रकृति सुन्दर खेल दिखाए, दोनों में प्रकृति-पति आत्मायें साक्षी हो खेल देखती और खेल में मज़ा लेती हैं, घबराती नहीं हैं इसलिए बापदादा तपस्या द्वारा साक्षीपन की स्थिति के आसन पर अचल अडोल स्थिर रहने का विशेष अभ्यास करा रहे हैं।

Stage of a detached observer

You children are the masters of matter and so you have to continue to remain happy while seeing these games of matter. Even if matter creates upheaval or shows you beautiful games, in both situations, souls who are the masters of matter will observe those scenes as detached observers and enjoy them and will not become afraid. This is why BapDada is

especially inspiring you to practise remaining unshakeable and immovable on your seat of the stage of a detached observer with your tapasya.

May 11, 2026

अचल-अडोल स्थिति का सिंहासन

कोई भी बात हो जाए चाहे प्रकृति की, चाहे व्यक्ति की, दोनों अचल स्थिति के आसन को ज़रा भी हिला न सकें। इतने पक्के हो ना! जैसे देखो शरीर आसन पर नहीं टिक सकता तो हलचल करेगा ना! ऐसे मन हलचल तो नहीं करता? सदा अचल अडोल, ज़रा भी हलचल नहीं हो। अगर कभी हलचल और कभी अचल है तो सिंहासन भी कभी मिलेगा, कभी नहीं मिलेगा।

The Throne of Unshakeable Stability

No matter what happens through matter or people, nothing should be able to shake your unshakeable seat. You are that strong, are you not? When your body is not able to sit on that seat, it would continue to fidget, would it not? In the same way, your mind is not causing fluctuation, is it? Remain constantly unshakeable and immovable and let there not be the slightest upheaval. If there is sometimes upheaval and sometimes stability, you will then receive a throne at some times and not at other times.

May 12, 2026

एकरस स्थिति

कितना भी कोई हिलावे लेकिन आप अचल रहो। परिस्थिति श्रेष्ठ है या स्वस्थिति श्रेष्ठ है? कभी परिस्थिति वार तो नहीं कर लेती है? सोचो, कि ये परिस्थिति पावरफुल है या स्वस्थिति पावरफुल है? तो इस स्मृति से कमज़ोर से शक्तिशाली बन जायेंगे। जैसे आप तपस्वी एकरस स्थिति में एकाग्र होते हो तो हठयोगी फिर एक टांग पर खड़े हो जाते हैं। तो कहाँ एकरस स्थिति और कहाँ एक टांग पर स्थित रहना, फ़र्क हो गया ना!

Constant Awareness

No matter how much others try to shake you, you must remain unshakeable. Are adverse situations elevated or is your original stage elevated? Do adverse situations sometimes attack you? Think about whether adverse situations are powerful or whether your original stage is powerful. When you have this awareness, you will become powerful from

weak. Just as you tapaswi souls concentrate on your constant and stable stage, similarly hatha yogi souls stand on one leg. So, there is a difference between being stable in a constant and stable stage and standing on one leg.

May 13, 2026
अनुभव की अथॉरिटी
अपने आपको चेक करो हर शक्ति का, हर प्राप्ति का, हर गुण का अनुभव है? अगर अनुभव की अथॉरिटी है तो कोई भी परिस्थिति अनुभव की अथॉरिटी के आगे कुछ भी प्रभाव नहीं डाल सकती। अनुभवी मूर्त कभी भी किसी भी परिस्थिति में अचल अडोल रहते हैं। हलचल में नहीं आते क्योंकि सबसे बड़े में बड़ी अथॉरिटी अनुभव है। आह्वान करो जिस समय जिस शक्ति का वो सेकण्ड में सहयोगी बनेगी।

The authorities of experience
Check whether you experience every power, every attainment and every virtue. You are authorities of experience, and so no adverse situation can create any type of impact on you, who are authorities of experience. Those who are images of experience will remain unshakeable and immovable under any type of adverse situation. They never fluctuate because the greatest authority of all is experience. Whichever power you invoke at any time, it will co-operate with you at that second.

May 14, 2026
एक से संबंध
हम ऊंच ते ऊंच बाप के बच्चे हैं, यह याद रहने से एकरस अवस्था रहेगी। जब एक से सम्बन्ध रहता है तब अवस्था भी एकरस रहती है। अगर और कहाँ सम्बन्ध की रग जाती है तो एकरस अवस्था नहीं रहेगी। तो एकरस अवस्था बनाने के लिए सिवाए एक के और कुछ भी देखते हुए न देखो।

Connection with the One
By remembering that you are the children of the highest-on-high Father, your stage will remain constant and stable. When you have all relationships with the One, your stage will also be ek-ras (constant and stable). If the

string of relationship is pulled towards someone else, you will not have a constant and stable stage. So, in order to make your stage constant and stable, do not look at anyone except the One.

May 15, 2026
ड्रामा की भावी
आपके एकरस अचल स्थिति का ही यह अचलघर यादगार है। जैसे बापदादा एकरस रहते हैं वैसे बच्चों को भी एकरस रहना है। जब एक के ही रस में रहेंगे तो एकरस अवस्था में रहेंगे। क्यों शब्द की निशानी क्वेश्चन मार्क सभी से टेढ़ा होता है। जब क्यों, क्या शब्द निकल जायेगा तब ड्रामा की भावी पर एकरस स्थेरियम रह सकेंगे।

Destiny of the Drama
This Achalghar (home of stability) is the memorial of your unshakeable stage. Just as BapDada remains constant and stable, in the same way, you children also have to remain constant and stable. When you remain lost in the sweetness of the One, you will be able to remain in a constant and stable stage. The punctuation mark of a question is the most bent. When that punctuation mark is removed from you, you will be able to remain constantly stabilised on the destiny of the drama.

May 16, 2026
स्थिति से सेवा
जैसे साकार बाप ने अथक और एकरस स्थिति का एक्जैम्पुल बनकर दिखाया, वैसे आप बच्चों को भी औरों के प्रति एक्जैम्पुल बनना है, यही सर्विस है। सर्विस सिर्फ वाणी से ही नहीं होती, स्थिति से भी सर्विस होती है। तो समय प्रमाण अब अपनी स्थिति एकरस बनाओ।

Service Through Stage
Just as sakar Baba demonstrated being an example of tirelessness and of having a constant stage, in the same way, you children also have to become examples for others. This is your service. Service doesn't take place just through words. Service also takes place through your stage. So, according to the time, make your stage constant and stable.

May 17, 2026
आलराउण्ड सर्विस
जो आलराउण्ड सर्विस करने वाले हैं उन्हें विशेष इस बात का ध्यान रखना है कि कैसी भी परिस्थिति में अपनी स्थिति एकरस रहे तब सफलता मिलेगी। श्रीमत में जब मनमत, देह-अभिमानपने की मत, शूद्र पने की मत मिक्स करते हो तब स्थिति एकरस नहीं रहती। मन भिन्न-भिन्न रसों में है तो स्थिति भी भिन्न-भिन्न है। एक ही रस में रहे तो स्थिति एकरस रहेगी।

All-round service
Those who do all-round service must especially understand that you only receive success over any adverse situation when your stage remains constant and stable. When you mix the dictates of your own mind, of body consciousness or of a shudra with shrimat, your stage doesn't then remain constant or stable. When your mind is tasting various different things, your stage too varies. When your mind always tastes the one sweetness, your stage will also remain constant and stable.

May 18, 2026
एकरस स्थिति बनाने के लिए सिवाए एक के और कुछ भी देखते हुए न देखो। यह जो कुछ देखते हो यह कोई भी वस्तु रहने वाली नहीं है। तो एकरस, स्थेरियम तब रह सकेंगे जब कोई भी दृश्य देखते क्यों, क्या की उत्पति न हो, यही व्यर्थ संकल्पों की हलचल का कारण है। इस क्यु की समाप्ति के बाद ही सम्पूर्णता आयेगी।

In order to create a constant and stable stage, whilst seeing everything don't see anything except the One. None of the things that you see are going to remain. Therefore, you will only be able to remain constant and stable when you don't have any questions of "Why?" or "What?" when you see any scenes. This is the reason for having the upheaval of wasteful thoughts. Only after this question of "why?" has ended will perfection come.

May 19, 2026
सदा उमंग-हुल्लास में एकरस रहने के लिए जो भी सम्बन्ध में आते हैं – चाहे स्टूडेन्ट, चाहे साथी सभी को सन्तुष्ट करने की उत्कंठा हो। जिसको भी देखो उससे हर समय गुण उठाते

रहो। सर्व के गुणों का बल मिलने से सदाकाल के लिए उत्साह एकरस रहेगा। गुणग्राही बनो। अवगुणों को देखते हुए भी नहीं देखो।

In order for your zeal and enthusiasm to remain constant, whoever comes into relationship with you, whether they are students or companions, let there be the enthusiasm to make everyone content. Whomsoever you see, continue to pick up virtues from them at every moment. By taking the power of everyone's virtues, your enthusiasm will constantly remain. Be one who picks up virtues. See but do not see any defects.

May 20, 2026
बुद्धि को एक ठिकाने पर टिकाने की जो युक्ति मिली है, वह स्मृति में रखो। हिलने न दो। देह और देह की दुनिया से न्यारे बन, मन-बुद्धि के विमान से सेकण्ड में आकारी और निराकारी स्थितियों को अनुभव करो। बुद्धि को हिलने न दो, नहीं तो युद्ध में समय बहुत व्यर्थ जाता है। जैसे तपस्वी सदैव आसन पर बैठते हैं वैसे अपनी एकरस स्थिति के आसन पर विराजमान रहो तब भविष्य सिंहासन मिलेगा।

Remain aware of the method you have been shown of keeping your intellect focused on one thing. Do not allow it to fluctuate. Become detached from bodies and the physical world and experience the corporeal and incorporeal stage in a second with the viman of your mind and intellect. Don't allow your intellects to fluctuate, otherwise, a lot of time is then wasted in battling. Just as tapaswis always sit on a special seat, in the same way, remain seated on your seat of a constant stage, for only then will you receive your future throne.

May 21, 2026
सभी से श्रेष्ठ तख्त बापदादा के दिल तख्तनशीन बनना है। लेकिन इस तख्त पर बैठने के लिए पहले अचल, अड़ोल, एकरस स्थिति का तख्त चाहिए। एकरस स्थिति के तख्त पर तब स्थित रह सकेंगे जब अकाल तख्त नशीन बनने का अभ्यास होगा। जैसे वह तपस्वी सदैव आसन पर बैठते हैं, ऐसे आप अपनी एकरस आत्मा की स्थिति के आसन पर विराजमान रहो। इस आसन को नहीं छोड़ो तब सिंहासन मिलेगा।

The most elevated throne to be seated on is BapDada's heart throne. However, before sitting on this throne, you need the throne of a stage that

is unshakeable, immovable and constant. You can only remain stable on the throne of a constant stage when you have the practice of remaining seated on your immortal throne. Just as those tapasvi always sit on a seat, similarly, you should remain stable on the throne of a constant stage of soul. Do not leave this seat, and only then will you receive the throne.

May 22, 2026
किसी भी प्रकार का विघ्न व समस्या अथवा माया का वार, वार नहीं है लेकिन खेल के समान अनुभव हो तो खेल समझने से खुशी-खुशी पार कर लेंगे और अवस्था एकरस रहेगी। लेकिन अगर इसे वार समझेंगे तो घबरायेंगे भी और हलचल में भी आ जायेंगे। माया का काम है आना और आपका काम है विजयी बनना।

By considering any type of obstacle, problem or attack of Maya to not really be an attack, but a game, you will happily be able to overcome it and your stage will remain constant. However, if you consider it to be an attack, you will become afraid and also come into upheaval. It is Maya's duty to come and it is your duty to be victorious.

May 23, 2026
आत्मिक स्थिति के अभ्यास से वायुमण्डल को रुहानी बनाओ तो और सब बातें स्वतः ठीक हो जायेंगी, सब एकमत और एकरस हो जायेंगे फिर माया भी नहीं आयेगी क्योंकि वायुमण्डल शक्तिशाली होगा। वायुमण्डल को शक्तिशाली बनाने के लिए याद के प्रोग्राम रखो और आपस में उन्नति के लिए रुह-रुहान की क्लासेज़ करो, स्नेह मिलन करो। धारणा की क्लासेज़ रखो तो सफलता मिल जायेगी।

With the practice of the soul conscious stage, make the atmosphere spiritual and everything will automatically work out fine. Everyone will be united in the one direction and become constant and then, because the atmosphere will be powerful, Maya will not come. In order to make the atmosphere powerful, make a programme for remembrance and have classes and spiritual chit-chat for your own progress. Have loving gatherings, have classes on dharna and you will receive success.

May 24, 2026

सदा एक की याद में रहकर एकरस अवस्था बनाओ तो वन-वन और वन में आ जायेंगे। बाहर रहते हुए भी यही पाठ पक्का करो - "सी फादर, फालो फादर', तो कभी किसी परिस्थिति में डगमग नहीं होंगे, ब्रहमा बाप के सामने कितनी भी बातें आई लेकिन बातों को न देख एक बाप को ही देखा इसलिए नम्बरवन बना। तो फालो फादर ।

Constantly stay in the remembrance of the One and make your stage constant and stable and you will come in the period of '1-1-1'. Even whilst living outside, make this lesson firm: See the Father and follow the Father. Then, you will never fluctuate in any situation. No matter how many situations came in front of Father Brahma, he didn't look at the situations, but only looked at the one Father, and that was how he became number one. So, follow the father.

May 25, 2026

एकरस स्थिति बनाने के लिए कर्मयोगी बनो। कर्मयोगी के आगे कोई कैसा भी आ जाए वह स्वयं सदा न्यारा और प्यारा रहेगा। नॉलेज द्वारा जानेगा- इसका यह पार्ट चल रहा है। वह अच्छे को अच्छा समझकर साक्षी होकर देखेगा और बुरे को रहमदिल बन रहम की निगाह से परिवर्तन करने की शुभ भावना से साक्षी होकर देखेगा, यही एकरस स्थिति बनाने का साधन है।

In order to create a constant stage become a karma yogi. No matter what type of person comes in front of a karma yogi, he will always remain loving and detached. Through this knowledge, he is aware that that is the part that one is enacting. He will consider those who are good to be good and remain a detached observer, and as a detached observer he will observe someone bad with a vision of mercy. Whilst being merciful he will have benevolent and good wishes to transform that one. This is the way to create a constant stage.

May 26, 2026

एक धक से सौदा करने वाले एक के होने कारण सदा एकरस रहते हैं। बाकी जो थोड़ा-थोड़ा करके सौदा करते हैं -एक के बजाए दो नाव में पांव रखने वाले हैं, वह सदा कोई न कोई उलझन की हलचल में, एकरस नहीं बनते हैं, इसलिए सौदा करना है तो सेकण्ड में करो। दिल के टुकड़े-टुकड़े नहीं करो।

Because of belonging to One, those who strike a bargain at one stroke, always remain constant. However, those who bargain a little at a time, keep their feet in two boats instead of one and so they are always in a turmoil of some confusion or the other and do not become constant. Therefore, if you want to make a bargain, do it in a second. Don’t break your heart into pieces.

May 27, 2026
कोई भी संकल्प आये तो ऊपर देकर स्वयं निःसंकल्प होकर चलते जाओ। विचार देना, इशारा देना यह दूसरी बात है, हलचल में आना - यह दूसरी बात है। तो सदा एकरस । संकल्प दिया और निरसंकल्प बने। सदा ध्यान रहे कि मुझे कर्मेन्द्रिय जीत बनना है। कोई एक कर्मेन्द्रिय की आकर्षण भी एक बाप का बनने नहीं देगी। एकरस स्थिति में स्थित होने नहीं देगी।

If you have any thoughts, then just give them to those seniors and continue to move on whilst being free from thoughts. To give your ideas and signals is a different matter from coming into upheaval. Therefore, always remain constant. Just give your thoughts and become free from thoughts. Always pay attention that you have to become a conqueror of your physical organs. Attraction to even one of the physical senses will not allow you to belong to the Father. It will not allow you to be stable in a constant and stable stage.

May 28, 2026
सदा अचल-अडोल रहने के लिए स्व-उन्नति और सेवा की उन्नति में सदा बिजी रहो, सर्व के प्रति शुभ भावना रखो। सम्बन्ध के आधार पर पार्ट नहीं, सेवा के सम्बन्ध से पार्ट बजाओ। दूसरा - विनाशी साधनों को सहारा वा आधार नहीं बनाओ। यह सब निमित्त मात्र हैं, सेवा के प्रति हैं। सेवा अर्थ कार्य में लगाया और न्यारे। साधनों की आकर्षण में मन आकर्षित नहीं होना चाहिए।

Always remain busy in self-progress and progress in service, and have good wishes for everyone. Do not play your part on the basis of a relationship, but play it in a relationship with service. Secondly, do not make perishable facilities your support. All of these are just for namesake;

they are for service. Use something for service and become detached. Do not let your mind be attracted by the attractions of the facilities.

May 29, 2026
सदा एकरस, अचल-अडोल बनने और बनाने की विशेष शक्ति यह ड्रामा की प्वाइंट है। इसे शक्ति के रूप में धारण करने वाला कभी हार नहीं खा सकता, लेकिन पहले ड्रामा की बिन्दी लगाकर व्यर्थ संकल्पों को शुद्ध संकल्पों में परिवर्तन करो। फिर माया के आने वाले अनेक प्रकार के विघ्नों को ईश्वरीय लग्न के आधार से समाप्त करो।

The special power that you need to become constant, unshakeable and immovable and make others become that, is at the point of the drama. Those who imbibe this form of power can never be defeated. However, first of all, apply the point of the drama and transform wasteful thoughts into pure thoughts. Then, based on God’s love finish all the different types of obstacles of Maya that are to come.

May 30, 2026
एकरस का अर्थ यह नहीं कि पुरुषार्थ की रफ्तार सदा एक जैसी हो। एकरस अर्थात् सदा उड़ती कला की महसूसता रहे। सर्व सम्बन्धों की अविनाशी तार एक से जुटी हुई हो। एक बाप दूसरा न कोई - यह दृढ़ संकल्प हो, एक भी सम्बन्ध कम न हो, सर्व सम्बन्धों की डोर एक से बंधी हुई हो तब एकरस स्थिति स्वतः रहेगी।

Being constant does not mean that the speed of your efforts is constantly the same. Constant means to constantly experience the flying stage. Let the imperishable string of all relationships always be connected with the One. One Father and none other – have this determined thought and let not a single relationship be missing. When the string of all relationships is tied to One, then you will naturally have a constant stage.

May 31, 2026
जब आप बच्चे अपने इस भ्रकुटि के तख्त पर, अकालमूर्त बन स्थित होंगे तो एकरस स्थिति के तख्त पर और बापदादा के दिल तख्त पर विराजमान हो सकेंगे। जब इस दैवी संगठन की मूर्त में एकरस स्थिति का प्रत्यक्ष रुप में साक्षात्कार हो तब बापदादा की प्रत्यक्षता समीप आये इसके लिए हर एक को बापदादा के संस्कारों में समान बनना होगा।

When your children become immortal images and remain stable on the throne of your forehead, then you will be able to remain stable on the throne of a constant stage and on BapDada's heart throne. When the vision is given through the practical form of all images in the form of a constant stage in the divine gathering, then BapDada's revelation will come close. For this, each one will have to be equal in having sanskars like those of BapDada.